an>

Title: Need to protect the interests of farmers of the country.

**श्री राजू शेट्टी (हातकणंगले) :** अध्यक्ष महोदया, पिछले कई सालों से मैं बार-बार इस सदन में किसानों की आत्महत्या और लागत से भी कम दाम मिलने के मुद्दे उठाता रहा हूं।

अध्यक्ष महोदया, पूरे देश के किसान इस मुद्दे पर आंदोलित हैं। हर एक राज्य में किसान लागत से डेढ़ गुना ज्यादा समर्थन मूल्य और कर्ज-मुक्ति, इन दो मुद्दों पर आंदोलन कर रहे हैं। क्या इस देश में अपना हक़ मांगना, फसलों के दाम मांगना गुनाह है?

मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में किसान, महाराष्ट्र के किसानों से प्रेरणा लेकर आंदोलन कर रहे थे। उनके ऊपर गोलियां चलाई गयीं। एक किसान को तो पुलिस थाने में बुलाकर 'क्या नेता बनने जा रहे हो?', इस तरह से पूछ कर बुरी तरह से पीट-पीट कर उसकी पुलिस थाने में हत्या की गयी।...(व्यवधान)

**श्री गणेश सिंह (सतना) :** यह गलत जानकारी है। आप सच बोलिए।...(व्यवधान)

**श्री राजू शेट्टी:** मैं खुद वहां जाकर आ चुका हूं, दो बार वहां जाकर आ चुका हूं।...(व्यवधान) मुझे मत सिखाइए।...(व्यवधान)

**श्री राकेश सिंह (जबलपुर) :** आपकी जानकारी अधूरी है।...(व्यवधान)

**श्री राजू शेट्टी:** पिछले 25 सालों से मैं किसानों के लिए आंदोलन करता आया हूं।...(व्यवधान) मुझे यहां राजनीति नहीं करनी है।...(व्यवधान) मुझे यहां किसानों का मुद्दा रखना है।...(व्यवधान) मैंने कभी राजनीति नहीं की।...(व्यवधान) पिछले 25 सालों से मैंने किसानों के लिए आंदोलन किया है।...(व्यवधान) पिछले 25 सालों में मैंने पुलिस का इस तरह से बुरा व्यवहार कभी नहीं देखा। आंदोलन करने वाले किसानों के ऊपर इस तरह से जो गोलियां चलाई गयी हैं, ऐसा मैंने कभी नहीं देखा।...(व्यवधान)

**श्री राकेश सिंह :** आप अपनी बात रखिए। पर, आपकी जानकारी अधूरी है।...(व्यवधान)

**डॉ. किरीट सोमैया (मुम्बई उत्तर पूर्व) :** अध्यक्ष महोदया, यह सच नहीं है, यह तथ्य नहीं है।...(व्यवधान)

**श्री राजू शेट्टी:** मुझे यहां बोलने का पूरा अधिकार है और आप जो वहां बैठे हैं, वहां आपको बिठाने के लिए मैं भी जिम्मेदार हूं। मैंने भी आपके लिए वोट मांगा है।...(व्यवधान) इसलिए मुझे बोलने का अधिकार है।...(व्यवधान) आप मुझे मत सिखाइए।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** राजू शेट्टी जी, इस तरह क्रॉस टॉकिंग नहीं कीजिए। आप चेयर से बात कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

**श्री राजू शेट्टी:** अध्यक्ष महोदया, मैं बोल रहा हूं।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आप बोलिए।

**श्री राजू शेट्टी:** मैं अपना विचार यहां रख रहा हूं। इनको क्यों बुरा लग रहा है?...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** किसी को कुछ बुरा नहीं लग रहा है। आप बोलिए।

**श्री राजू शेट्टी:** अध्यक्ष महोदया, मैं यहां किसानों का मुद्दा उठा रहा हूं। इस देश के किसानों के साथ जो अन्याय हुआ है, उसके ऊपर मैं बोल रहा हूं। क्या किसानों के लिए भाषण करना बुरा है, क्या गुनाह है? क्या किसान आतंकवादी हैं? इस तरह से अगर पुलिस थाने में बुला कर किसानों को बुरी तरह से पीटा जाता है, उसकी हत्या की जाती है, उसकी सी.बी.आई. जांच होनी चाहिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, किसानों ने ज्यादा कुछ नहीं मांगा। वर्ष 2014 के लोक सभा चुनाव में प्रधान मंत्री जी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि अगर आप कांग्रेस को हराएंगे तो देश के किसानों को लागत मूल्य से डेढ़ गुना ज्यादा समर्थन मूल्य दिलवा देंगे। क्या यह आश्वासन प्रधान मंत्री जी ने नहीं दिया था?

**माननीय अध्यक्ष :** ज़ीरो आवर में इतना ही मुद्दा उठाते हैं। आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** विद्युत वरन महतो।

**श्री राजू शेट्टी:** अध्यक्ष महोदया, मेरी बात अभी पूरी नहीं हुई है।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आपकी बात हो गयी। आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** श्रीमती सुप्रिया सुले को श्री राजू शेट्टी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।